On 28th Aug, 2024 Literary talent show was organised by Sanskrit Department in the collaboration with English, Hindi and Punjabi departments. On this occasion the students participated enthusiastically in the declamation and poetic recitation competition. The winning students in the competition were honoured with prizes.

गुरु नानक गर्ल्स कालेज में करवाया साहित्यिक प्रतिभाशो

यमुनानगर, 28 अगस्त (अभिषेक): अंग्रेजी विभाग, हिन्दी विभाग, संस्कृत विभाग व पंजाबी विभाग द्वारा गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज में लिचरेरी टैलेंट शो-भाषण प्रतियोगिता, संस्कृत श्लोकोच्चारण व काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम कालेज निदेशिका डा. वरिंद्र गांधी और प्राचार्या डा. हरविंद्र कौर के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने देशभक्ति, महिला सुरक्षा, जल ही जीवन है, पर्यावरण सुरक्षा, शारीरिक स्वास्थ्य व मानसिक स्वास्थ्य आदि विषयों पर भाषण व कविता पाठ के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का मंच संचालन संदीप कौर ने किया। निर्णायक मंडल की भूमिका डा. अनुभा जैन, डा. श्रुति शर्मा, डा. लक्ष्मी गुप्ता, डा. गुरजिंदर कौर ने निभाई। कार्यक्रम में छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कालेज स्टाफ के साथ टैलेंट शो में भाग लेते प्रतिभागी।

One Day Interdisciplinary National Seminar approved by DGHE on 26th September, 2024

नाट्य शास्त्र भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा : डॉ. वरिन्द्र

जगमार्ग न्यूज

यमुनानगर। संतपुरा स्थित गुरू नानक गर्ल्स कॉलेज के संस्कृत विभाग और हरियाणा उच्च शिक्षा परिषद् के सौजन्य से '21वीं शताब्दी में संस्कृत नाट्य शास्त्रीय सिद्धांतों की अनुप्रयुक्तता' विषय पर एक दिवसीय बहु विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन/ऑफलाइन) का आयोजन किया गया। कॉलेज निदेशिका डॉ. वरिन्द्र गांधी ने कहा कि नाट्य शास्त्र भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। जो नाट्यकला, नृत्यकला, संगीत और रंगमंच के सिद्धांतों को विस्तृत रूप से समझाता है। इस संगोष्ठी के माध्यम से युवा पीढ़ी और विद्वानों को इस धरोहर से जुडने और इसे संरक्षित करने का अवसर मिलेगा। प्रिंसिपल डॉ. हरविन्द्र कौर ने सत्र के सभी वक्ताओं का स्वागत किया। संगोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. चित्तरंजन दयाल सिंह कौशल, बीज वक्ता डॉ. आशुतोष अंगिरस, मुख्य वक्ता डॉ. सरोज कौशल और डॉ. विशाल भारद्वाज रहे। इस संगोष्ठी में नाट्य शास्त्र का रंगमंच, विज्ञापनों, सिनेमा, लोक परम्पराओं और तकनीकी से सम्बन्ध के विषय में चर्चा हुई। इस संगोष्ठी में विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से प्रवक्ताओं ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी की संयोजक डॉ. अमिता रेढू और डॉ. अनुभा जैन रही। संगोष्ठी के सफल आयोजन में डॉ. अंजु मित्तल, श्रीमती मोनिका, डॉ शबनम, श्रीमती शर्मिला, डॉ. अमनदीप कौर का सहयोग सराहनीय रहा।

IASSK Angiras Clan (Presenting)
आपके सभी के प्रश्न/ जिज्ञासाएँ / टिप्पणी/ समालोचनाएँ सादर आमन्त्रित हैं। धैर्यपूर्वक श्रवण के लिए आप सभी का धन्यवाद
तापात् छेदात् निकषात् ग्राह्यम् मद्वचः न तु गौरवात् -
"After experimenting with my statement in a critical manner only than it be accepted not because I am a great person. Likewise gold is checked for its purity by certain measures".
"Under the VedaVyaasa Restructuring Sanskrit Scheme",
"Applied Sanskrit Saahitya-Shaastriya Critique Of Indian Cinema -Issues & Challenges"
"व्यवहारपरक संस्कृत साहित्यशास्त्राधारित भारतीय चलचित्र मीमांसा – वाद-विषय एवम् चुनौतियां"
QUESTIONS
LAGAAN
guide
DON
नाट्यशास्त्रम्, साहित्यदर्पणः, रसगङ्गाधरः, काव्यप्रकाशः, वक्रोक्तिजीवितम्, काव्यमीमांसा, औचित्यविचारचर्चा, अभिनवभारती, ध्वन्यालोकः आदि आदि
BANDINI
Anand Math
SHAHEED
11:16 | ehk-qfzp-szk

HDMI2
3840X2160 60Hz
IASSK Angiras Clan (Presenting)
गुरु नानक गर्ल्स कालेज, यमुनानगर
TODAY'S LECTURE IS DEDICATED TO GREAT PANDIT SANT NISCHAL DAS SINGH JI AND HIS VISISON & VALUES
आज का मेरा वक्तव्य आदरणीय पण्डित सन्त निश्चल दास जी और उनके दर्शन, मूल्यों एवम् व्यवहार को सादर समर्पित है।
26th September, 2024
ARTICLE 1 – INDIA THAT IS BHARAT .....
CONSTITUTION OF INDIA
✓ Industry
✓ Commerce
✓ Trade
INDIA
Pandit Sant Nischal Singh Ji
पण्डित सन्त निश्चल दास जी
BHARAT
PARLIAMENT OF INDIA
India: The Judiciary
HD Camera
10:32 | ehk-qfzp-szk